DEPARTMENT OF HINDI
GAUHATI UNIVERSITY

MODIFIED SYLLABUS FOR POST-GRADUATE (M.A.) UNDER CBCS CURRICULUM

(PASSED IN THE CCS-PG HINDI MEETINGS HELD ON 19.03.2021 AND 05.04.2021)

हिन्दी विभाग
गौहाटी विश्वविद्यालय

सीबीसीएस पाठ्यचर्या के अन्तर्गत संशोधित स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम

{दिनांक 19.03.2021 एवं 05.04.2021 को आयोजित सीसीएस-पीजी (CCS-PG) हिन्दी की बैठकों में गृहीत}

1. स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम **दो** वर्षों में परिव्याप्त कुल **चार** छमाहियों का होगा । सेमेस्टर-व्यवस्था की निर्धारित कालावधियाँ निम्नोक्त रूप की होंगी :-

क. प्रथम एवं **तृतीय** छमाही : अगस्त से दिसम्बर तक
ख. द्वितीय एवं **चतुर्थ** छमाही : जनवरी से जून तक

2. प्रत्येक प्रश्न-पत्र के सैद्धांतिक परीक्षण में विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन निम्नोक्त रूप में होगा :-

क. आन्तरिक परीक्षण : 16 अंक
ख. बाह्य परीक्षण : 64 अंक

3. प्रत्येक प्रश्न-पत्र के आन्तरिक परीक्षण हेतु निर्धारित अंक (16 अंक) के आधार निम्नलिखित रूप से होंगे :-

क. सत्रीय परीक्षा : I
ख. सत्रीय परीक्षा : II
ग. गृह-कार्य : I
घ. गृह-कार्य : II
ङ. संगोष्ठी-प्रस्तुतीकरण

4. प्रत्येक छमाही में आन्तरिक परीक्षण के लिए कुल अंक 80 हैं । अंकों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा :-

क. सत्रीय परीक्षा : 40 (20+20)
ख. संगोष्ठी-प्रस्तुतीकरण : 20

ग. गृह-कार्य : 20 (10+10)

5. प्रत्येक प्रश्न-पत्र में बाह्य-परीक्षण हेतु कुल 64 अंक निर्धारित रहेंगे ।

6. प्रत्येक छमाही में प्रथम तीन प्रश्न-पत्र 6 क्रेडिट एवं शेष दो प्रश्न-पत्र 5 क्रेडिट के होंगे । इस प्रकार पूरे स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम में कुल 120 क्रेडिट होंगे ।

प्रश्न-पत्रों की सूची

प्रथम छमाही

HIN 1016 आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
HIN 1026 हिन्दी साहित्य का इतिहास-I (आदिकाल एवं भक्तिकाल)
HIN 1036 हिन्दी का उपन्यास साहित्य
HIN 1045 हिन्दी का कहानी साहित्य
HIN 1055 भारतीय काव्यशास्त्र

द्वितीय छमाही

HIN 2016 रीतिकालीन काव्य
HIN 2026 हिन्दी साहित्य का इतिहास-II (रीतिकाल)
HIN 2036 हिन्दी साहित्य का इतिहास-III (आधुनिक काल)
HIN 2045 हिन्दी का नाटक साहित्य
HIN 2055 पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन अवधारणाएँ

तृतीय छमाही

HIN 3016 आधुनिक काव्य-I (द्विवेदीयुगीन एवं छायावादयुगीन काव्यधाराएँ)
HIN 3026 भाषाविज्ञान के सिद्धान्त एवं शैलीविज्ञान
HIN 3036 हिन्दी भाषा एवं नागरी लिपि
HIN 3045 हिन्दी का निबन्ध साहित्य
HIN 3055 प्रयोजनमूलक हिन्दी

चतुर्थ छमाही

HIN 4016 आधुनिक काव्य-II (छायावादोत्तर काव्यधाराएँ)

HIN 4026 हिन्दी आलोचना, प्रमुख आलोचक एवं आधुनिक विमर्श

HIN 4036 हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ

HIN 4045 तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया

HIN 4055 हिन्दी कृष्ण काव्य

स्नातकोत्तर कक्षा (हिन्दी)

प्रथम छमाही

HIN 1016

आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को सरहपाद, गोरखनाथ, चन्दबरदाई, विद्यापति, कबीर, सूरदास, तुलसीदास – जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करते हुए उन्हें हिन्दी भाषा-साहित्य के स्रोत, आदिकालीन तथा भक्तिकालीन जीवन-बोध एवं काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 *आदिकालीन काव्य* – डॉ॰ वासुदेव सिंह (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

निर्धारित पाठ – **सरहपाद** (दोहाकोश : 1-7), **गोरखनाथ** (सबदी : 1-7), **चन्दबरदाई** (पद्मावती समय – छन्द : 62-71)

इकाई 2 **(क) विद्यापति के पद :** *खने-खने नयन...; किछु-किछु उतपति...; भल भले दंपति...; चाँद सार लए...; आनन देखि भान...; आनन लोनुज वचन...; नव यौवन अभिरामा...; रामा, अधिक चंगिम भेल...; पथ गति पेखलि...; जाइत देखलि पथ...*।

(ख) कबीर *कबीर* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (संपा.), हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई

पद-संख्या : 160-174

इकाई 3 **सूरदास** *भ्रमरगीत सार* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (संपा.), गोपालदास सुंदरदास, साहित्य-सेवा-सदन, बनारस

पद-संख्या : 21-35

इकाई 4 **तुलसीदास** *रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड),* गीता प्रेस, गोरखपुर

पद-संख्या : 1-10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *विद्यापति पदावली* -- डॉ॰ नरेन्द्र झा (संपा.), अनुपम प्रकाशन, पटना।

2. *विद्यापति* – डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा॰), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर।

3. *संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं डॉ॰ नामवर सिंह (संपा.), साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

4. *पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य* – डॉ॰ नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ* – हेमन्त कुकरेती, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

6. *नाथ सम्प्रदाय* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. *विद्यापति* -- शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8. *विद्यापति काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मण, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

9. *विद्यापति पदावली का समीक्षात्मक अध्ययन* – कल्पना पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

10. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. *कबीर* – विजयेन्द्र स्नातक (संपा.), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

13. *सूरदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

14. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।

15. *सूरदास* – नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

16. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

17. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली ।

18. *तुलसी आधुनिक वातायन से* – रमेश कुंतल मेघ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN 1026

हिन्दी साहित्य का इतिहास-I (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>द्रष्टव्य</u> : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे ।*

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन के सिद्धान्तों के साथ-साथ अपभ्रंश-मिश्रित हिन्दी, डिंगल, मैथिली, अवधी और ब्रजी हिन्दी में विरचित आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की परम्पराओं से परिचित कराते हुए उन्हें तत्कालीन जीवन-बोध का साक्षात्कार कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 हिन्दी साहित्येतिहास-दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा एवं लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण

इकाई 2 **आदिकाल** – नामकरण की समस्या, परिस्थितियाँ और साहित्यिक धाराएँ

(क) धार्मिक साहित्य – सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य

(ख) लौकिक साहित्य – रासो साहित्य, लौकिक काव्य, गद्य साहित्य

(ग) आदिकाल का मूल्यांकन

इकाई 3 **भक्तिकाल** – भक्तिकाल की परिस्थितियाँ, भक्ति आन्दोलन – कारण और स्वरूप, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण और सगुण भक्तिकाव्य

इकाई 4 भक्तिकालीन हिन्दी सन्त काव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, हिन्दी राम काव्य, हिन्दी कृष्ण काव्य, हिन्दी नीतिकाव्य, भक्तिकाल का मूल्यांकन

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास* – लक्ष्मीलाल वैरागी, संघी प्रकाशन, जयपुर ।
4. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (प्रथम खण्ड)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
6. *हिन्दी साहित्य का नया इतिहास* – राम खेलावन पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
8. *भक्ति काव्य की भूमिका* – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
9. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
10. *हिन्दी साहित्य (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा (संपा.), भारतीय हिन्दी परिषद, इलाहाबाद ।
11. *उत्तर भारत की सन्त परम्परा* – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
12. *हिन्दी राम काव्य का स्वरूप और विकास : बदलते युगबोध के परिप्रेक्ष्य में* – डॉ॰ प्रेमचन्द महेश, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
13. *मध्यकालीन बोध का स्वरूप* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
14. *मध्यकालीन काव्य : चिन्तन और संवेदना* – करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN 1036

हिन्दी का उपन्यास साहित्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को चुनिन्दा चार उपन्यासों के सम्यक् अध्ययन के जरिए हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास-यात्रा की जानकारी देना और इनमें उभरते शिल्प एवं युगबोध से उनलोगों को परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **गोदान –** मुंशी प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 2 **शेखर : एक जीवनी (भाग 1) –** अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई 3 **मैला आंचल –** फणीश्वरनाथ 'रेणु', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई 4 **मानस का हंस –** अमृतलाल नागर, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रेमचन्द और उनका गोदान* – बलदेव कृष्ण शास्त्री, ओरिएंटल बुक डिपो, दिल्ली।
2. *प्रेमचन्द* – नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *प्रेमचन्द और उनका युग* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *अज्ञेय और शेखर : एक जीवनी* – अनन्त कीर्ति तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. *अज्ञेय का कथा-साहित्य* – डॉ॰ ओम प्रभाकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
6. *अज्ञेय : विचार का स्वराज* -- कृष्णदत्त पालीवाल, प्रतिभा प्रतिष्ठान, सुभाष मार्ग, नयी दिल्ली।
7. *मैला आंचल : शिल्प और दृष्टि* – बद्री प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. *फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल* – गोपाल रॉय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
9. *फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यास : एक अध्ययन* – डॉ॰ मुकेश एम. लबाना, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर।
10. *अमृतलाल नागर-कृत 'मानस का हंस' : सामाजिक मूल्य* – प्रो॰ अंजना विजन, विनय प्रकाशन, कानपुर।
11. *अमृतलाल नागर के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन* – डॉ॰ अशोक मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर।
12. *अमृतलाल नागर के उपन्यास एवं उनका ऐतिहासिक परिवेश* – डॉ॰ श्रीप्रकाश पंड्या, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

HIN 1045

हिन्दी का कहानी साहित्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को चुनी हुई अट्ठारह कहानियों के सम्यक् अध्ययन के जरिए हिन्दी कहानी साहित्य के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना और इनमें उभरते शिल्प तथा जीवन-बोध से उनलोगों को परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **चन्द्रदेव से मेरी बातें** (बंग महिला), **एक टोकरी भर मिट्टी** (माधवराव सप्रे), **कानों में कंगना** (राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह), **लाल पान की बेगम** (फणीश्वरनाथ 'रेणु'), **गैंग्रीन** (अज्ञेय)

इकाई 2 **अमृतसर आ गया है** (भीष्म साहनी), **राजा निरबंसिया** (कमलेश्वर), **परिंदे** (निर्मल वर्मा), **राही** (सुभद्रा कुमारी चौहान), **ज्ञानदान** (यशपाल)

इकाई 3 **अपना-अपना भाग्य** (जैनेन्द्र कुमार), **जहाँ लक्ष्मी कैद है** (राजेन्द्र यादव), **बादलों के घेरे** (कृष्णा सोबती), **गुलकी बन्नो** (धर्मवीर भारती)

इकाई 4 **विजेता** (रघुवीर सहाय), **पक्षी और दीमक** (गजानन माधव 'मुक्तिबोध'), **इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर** (हरिशंकर परसाई), **कोसी का घटवार** (शेखर जोशी)

सन्दर्भ ग्रन्थ एवं ऑनलाइन लिंक्स :

1. *कहानी : नयी कहानी* – डॉ॰ दिनेश प्रसाद सिंह (संपा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

2. *चन्द्रदेव से मेरी बातें* (बंग महिला) -- https://www.bharatdarshan.co.nz/magazine/literature/1193/chandradev-se-meri-baatein-bangmahila.html

3. *कानों में कंगना (राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह)* – https://www.hindisamay.com/contentDetail.aspx?id=2196&pageno=1

4. *प्रतिनिधि कहानियाँ* – डॉ॰ बच्चन सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

5. *जय-दोल* – अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *कहानी कुंज* – डॉ॰ उमाकान्त 'शास्त्री' (संपा.), जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *एक दुनिया : समानान्तर* – राजेन्द्र यादव (संपा.), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

8. *जहाँ लक्ष्मी कैद है* – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

9. *राजा निरबंसिया* (कमलेश्वर) – https://www.hindisamay.com/content/385/1/%

10. *राही* (सुभद्रा कुमारी चौहान) -- https://www.bharatdarshan.co.nz/magazine/literature/1198/raahi-kahani-subhadrakumari-chauhan.html

11. *ज्ञानदान* (यशपाल) – प्रकाशवती पाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ ।

12. *पक्षी और दीमक* (गजानन माधव 'मुक्तिबोध') – https://www.hindisamay.com/content/770/1/%E0%

13. *इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर* (हरिशंकर परसाई) -- https://poshampa.org/inspector-matadeen-chand-par/

14. *कहानीकार निर्मल वर्मा* – डॉ॰ राजेन्द्र जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

15. *कहानीकार अज्ञेय : सन्दर्भ और प्रकृति* – डॉ॰ चन्द्रभानु सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

16. *यशपाल का कहानी-संसार : एक अंतरंग परिचय* – सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

17. *रेणु का कथा साहित्य* – डॉ॰ सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

18. *भीष्म साहनी का साहित्य* – डॉ॰ प्रमोद कोवव्रत, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

19. *डॉ॰ धर्मवीर भारती का कथा-संसार* – डॉ॰ मंजूषा श्रीवास्तव, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद ।

20. *राजेन्द्र यादव के कथा-साहित्य में महानगरीय जीवन* – डॉ॰ शोभा ढाणकीकर, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

21. *कहानीकार शेखर जोशी और नयी कहानी* – डॉ॰ उपेन्द्र कुमार चंदेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

22. *व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई* – डॉ॰ भरत पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

23. *कहानीकार जैनेन्द्र* – डॉ॰ सी. सक्कर मेहेर, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

24. *कमलेश्वर का कहानी-साहित्य और सामाजिक यथार्थ* – डॉ॰ धीरजभाई वडकर, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

HIN 1055

भारतीय काव्यशास्त्र

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की शास्त्रीय समीक्षा हेतु भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों की सम्यक् जानकारी देते हुए उनलोगों को इस सुदीर्घ चिन्तन-परम्परा से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **रस** – रस सम्प्रदाय का इतिहास, रस की अवधारणा, रस के अंग, भरत का रस-सूत्र और रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस का स्वरूप, रस का महत्व

इकाई 2 **ध्वनि** – ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, स्फोट और ध्वनि व्यंजना, ध्वनिभेद, ध्वनि की कोटियाँ, ध्वनि-विरोधी अभिमत

इकाई 3 **अलंकार** – अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा, वर्गीकरण, प्रमुख अलंकार

इकाई 4 **(क) वक्रोक्ति** – वक्रोक्ति सिद्धान्त का इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, स्वभावोक्ति, वक्रोक्ति और अभिव्यंजना

(ख) औचित्य की अवधारणा, शब्दशक्ति, काव्य-भेद, काव्य-गुण, काव्य-दोष

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. *काव्यालोचन* – ओमप्रकाश शर्मा 'शास्त्री', आर्य बुक डिपो, दिल्ली ।
3. *काव्यदर्पण* – रामदहीन मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
4. *भारतीय काव्यशास्त्र (भाग 1 और भाग 2)* – बलदेव उपाध्याय, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी।

5. *रस-सिद्धान्त* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

6. *अलंकार धारणा : विकास और विश्लेषण* – शोभाकान्त मिश्र, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना ।

7. *भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त* – डॉ॰ कृष्णदेव झारी, शारदा प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

8. *सिद्धान्त और अध्ययन* – बाबू गुलाब राय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।

9. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

द्वितीय छमाही

HIN 2016

रीतिकालीन काव्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे ।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को केशवदास, बिहारी, घनानन्द, मतिराम, भूषण – जैसी रीतिकालीन साहित्यिक विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करते हुए उन्हें ब्रजी हिन्दी के साहित्यिक सौन्दर्य का साक्षात्कार कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **केशवदास :** *रामचन्द्रिका* -- लाला भगवानदीन (संपा.), प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

निर्धारित पाठ – नवम प्रकाश

इकाई 2 **बिहारी :** *बिहारी रत्नाकर* – जगन्नाथदास रत्नाकर (संपा.), तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी

दोहा-संख्या – 1-20

इकाई 3 **घनानन्द :** *घनानन्द कवित्त* – विश्वनाथप्रसाद मिश्र (संपा.), वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी

कवित्त-संख्या – 1-15

इकाई 4 **(क) मतिराम :** *रीतिकाव्य-संग्रह* -- प्रो॰ विजयपाल सिंह (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पद-संख्या – 1-8

(ख) भूषण : *रीतिकाव्य-संग्रह* -- प्रो॰ विजयपाल सिंह (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पद-संख्या – 1-8

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *केशव का आचार्यत्व* – प्रो॰ विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
2. *केशव और उनका साहित्य* – प्रो॰ विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. *बिहारी साहित्य : सांस्कृतिक सामाजिक सन्दर्भ* -- रवीन्द्र कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. *घनानन्द : काव्य और आलोचना* – डॉ॰ किशोरीलाल, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद ।
6. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखाब, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
7. *मतिराम-सतसई में समाज और संस्कृति* – जगदेव कुमार शर्मा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
8. *रीतिकालीन कवि मतिराम और उनका काव्य* – डॉ॰ मंजु रानी, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली ।
9. *भूषण और उनका साहित्य* -- डॉ॰ राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।
10. *भूषण-विमर्श* -- भगीरथ प्रसाद दीक्षित, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
11. *रीतिकालीन कवियों का प्रेम-वर्णन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
12. *हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 2)* – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN 2026

हिन्दी साहित्य का इतिहास-II (रीतिकाल)

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को मुख्यतः ब्रजी हिन्दी में विरचित रीतिकालीन साहित्य की परम्पराओं से परिचित कराते हुए उन्हें तत्कालीन सामाजिक बोध से अवगत कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 'रीति' का अर्थ, रीतिकाव्य की पृष्ठभूमि, पूर्व-रीतिकालीन रीतिकाव्य-परम्परा, रीतिकाल का प्रवर्तक, रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ, परिस्थितियाँ

इकाई 2 रीतिकाल का नामकरण, सीमांकन, उपलब्ध सामग्री एवं उसका वर्गीकरण

इकाई 3 रीतिकाव्य का वर्गीकरण – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य – इनके कवि और प्रवृत्तियाँ

इकाई 4 रीतिकालीन अन्य काव्य-धाराएँ – भक्ति, नीति और वीर काव्य – इनके कवि और प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल की उपलब्धियाँ

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. *रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन* – डॉ॰ सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर।
6. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (प्रथम खण्ड)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. *हिन्दी साहित्य का नया इतिहास* – राम खेलावन पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. *रीतिकाव्य* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. *हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN 2036

हिन्दी साहित्य का इतिहास-III (आधुनिक काल)

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को मुख्यतः खड़ीबोली हिन्दी में रचित और तीव्रता से बदलनेवाली आधुनिक हिन्दी काव्यधारा एवं उभरते गद्य-साहित्य की विविध विधाओं के उद्भव एवं विकास के इतिहास की सम्यक् जानकारी देकर उन्हें उफनते हुए आधुनिक युगबोध से परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 आधुनिक एवं आधुनिकता से तात्पर्य, नामकरण, उप-विभाजन, आधुनिककालीन परिस्थितियाँ, नवजागरण

इकाई 2 आधुनिक हिन्दी कविता का विकास – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, हालावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता

इकाई 3 हिन्दी गद्य-रूपों का उद्भव और विकास – नाटक, उपन्यास और कहानी

इकाई 4 अद्यतन अन्य गद्य-विधाओं का विकास – जीवनी साहित्य, आत्मकथा, यात्रावृत्त, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज़, पत्र-साहित्य, इंटरव्यू, अभिनन्दन एवं स्मृति-ग्रंथ

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
2. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (द्वितीय खण्ड)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. *हिन्दी साहित्य का नया इतिहास* – राम खेलावन पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास* – डॉ॰ तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7. *आधुनिक हिन्दी कविता से साक्षात्कार* – प्रभाकरण हेब्बर, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।

8. *हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

9. *हिन्दी नाटक* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

10. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *हिन्दी कहानी : परम्परा और प्रगति* – डॉ॰ हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. *हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र* – डॉ॰ चौथीराम यादव (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

13. *संस्मरण और रेखाचित्र* – उर्मिला मोदी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

14. *हिन्दी का आत्मकथात्मक साहित्य* – चम्पा श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN 2045

हिन्दी का नाटक साहित्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे ।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को चार चुनी हुई नाट्य-कृतियों के सम्यक् अध्ययन के जरिए हिन्दी नाट्य-परम्परा का दिग्दर्शन कराते हुए इनमें से उभरते शिल्प एवं जीवन-बोध से उन्हें भली-भाँति परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **अंधेर नगरी** – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र {डॉ॰ ब्रजकुमार मित्तल (संपा.), जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद}

इकाई 2 **चन्द्रगुप्त** – बाबू जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद

इकाई 3 **आधे-अधूरे** – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई 4 **एक और द्रोणाचार्य** – शंकरशेष, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास* – डॉ॰ दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

2. *हिन्दी नाटक* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र* – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

4. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का रचना-संसार : एक पुनर्मूल्यांकन* – डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।

5. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्य में भावबोध : स्थापनाएँ और प्रस्थापनाएँ* -- डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।

6. *प्रसाद का चन्द्रगुप्त : एक अनुशीलन* – शैलजा भारद्वाज, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

7. *प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन* – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

8. *प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना* – डॉ॰ रवीन्द्र कुमार ब्रजवासी, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

9. *मोहन राकेश और उनके नाटक* – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश* – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक की भूमिका* – डॉ॰ नेमीचन्द जैन, राजपाल एण्ड संज, नयी दिल्ली ।

12. *एक और द्रोणाचार्य : एक विश्लेषण* – डॉ॰ भगवतीप्रसाद उपाध्याय, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली ।

13. *डॉ. शंकर शेष-कृत 'एक और द्रोणाचार्य' का रचना-विधान* – डॉ॰ शैलेश एम. पटेल, रावत पब्लिकेशन, राजस्थान।

14. *शंकर शेष की नाट्य-कला* – डॉ॰ प्रकाश जाधव, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

HIN 2055

पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन अवधारणाएँ

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे ।*

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की समीक्षा हेतु पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों, साहित्यिक विचारधाराओं तथा कुछेक समकालीन अवधारणाओं की सम्यक् जानकारी देना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **(क) प्लेटो –** काव्य-दृष्टि

(ख) अरस्तू – त्रासदी सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त

इकाई 2 **(क) लोंगिनुस –** काव्य-सिद्धान्त

(ख) क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

(ग) टी.एस. इलियट – समीक्षा सिद्धान्त

इकाई 3 **प्रमुख पाश्चात्य साहित्यिक विचारधाराएँ :**

स्वच्छन्दतावाद (रोमांटिसिज़्म), **आदर्शवाद** (आइडियलिज़्म), **यथार्थवाद** (रियालिज़्म), **प्रतीकवाद** (सिंबोलिज़्म), **अस्तित्ववाद** (एक्ज़िस्टेंशियलिज़्म)

इकाई 4 **समकालीन अवधारणाएँ –** रूसी रूपवाद, नयी समीक्षा, मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. *पाश्चात्य साहित्य-चिन्तन* – डॉ॰ निर्मला जैन और कुसुम बंठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *साहित्यिक निबन्ध* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. *पाश्चात्य काव्य-चिन्तन* – करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. *हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली* -- डॉ॰ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

तृतीय छमाही

HIN 3016

आधुनिक काव्य-I (द्विवेदीयुगीन एवं छायावादयुगीन काव्यधाराएँ)

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित द्विवेदीयुगीन एवं छायावादयुगीन कविताओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक युगबोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **साकेत** – मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी

निर्धारित पाठ – नवम सर्ग

इकाई 2 **कामायनी** – बाबू जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद

निर्धारित पाठ – श्रद्धा सर्ग, इड़ा सर्ग

इकाई 3 **अपरा** – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

निर्धारित पाठ – राम की शक्ति-पूजा, सरोज-स्मृति

इकाई 4 (क) **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** : *छायावाद के प्रतिनिधि कवि* – प्रो॰ विजयपाल सिंह (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ – सुमित्रानन्दन पन्त (प्रथम रश्मि, बापू के प्रति, ताज, पर्वत प्रदेश में पावस)

महादेवी वर्मा (जीवन विरह का जलजात, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ रहने दो अपरिचित, सब आँखों के आँसू उजले)

(ख) <u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> : *मेरी श्रेष्ठ रचनाएँ* – हरिवंशराय 'बच्चन', राजपाल एण्ड सन्ज़, नयी दिल्ली

<u>पाठ</u> -- तीन रुबाइयाँ, मधुबाला, अग्नि पथ ! अग्नि पथ ! अग्नि पथ !, चेतावनी

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *साकेत : एक अध्ययन* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
2. *साकेत : विचार और विश्लेषण* – बच्चन देव कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. *साकेत के नवम सर्ग का काव्य-वैभव* – कन्हैयालाल सहाय, साहित्य सदन, झाँसी ।
4. *कामायनी : एक पुनर्विचार* – गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. *कामायनी का पुनर्मूल्यांकन* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7. *निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ* – नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
8. *राम की शक्ति-पूजा* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
9. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
10. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
11. *महादेवी* – परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
12. *महादेवी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13. *बच्चन : कविता और जीवन के अन्तःसूत्र* – सीमा जैन, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
14. *बच्चन : जीवन और काव्य* – नवल किशोर भाभड़ा, भारती प्रकाशन, गाज़ियाबाद ।
15. *छायावाद* – डॉ॰ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
16. *छायावाद की परिक्रमा* – श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
17. *प्रसाद-निराला-अज्ञेय* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

HIN 3026

भाषाविज्ञान के सिद्धान्त एवं शैलीविज्ञान

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान के सिद्धान्तों के साथ-साथ शैलीविज्ञान की मूलभूत बातों की जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1

(क) भाषा – परिभाषा एवं मूलभूत बातें, विकास और उसके कारण, संसार की भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा-परिवार का सामान्य परिचय

(ख) भाषाविज्ञान – परिभाषा एवं प्रकार, अध्ययन के विभाग, व्याकरण के साथ उसका सम्बन्ध, यह विज्ञान है या कला ?

इकाई 2

(क) वाक्यविज्ञान – वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य-रचना में ध्यान देने योग्य बातें, वाक्यों के प्रकार, वाक्य-रचना में परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

(ख) रूपविज्ञान – रूप की परिभाषा, सम्बन्ध-तत्वों के प्रकार और कार्य, सम्बन्ध-तत्व और अर्थ-तत्व का सम्बन्ध, रूप-परिवर्तन के कारण, रूपग्राम एवं स्वरूप

इकाई 3

(क) ध्वनिविज्ञान – ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि-यंत्र, स्वर और व्यंजन ध्वनियों में अन्तर, मानस्वर, ध्वनिग्राम और संध्वनि

(ख) अर्थविज्ञान – अर्थ की परिभाषा, अर्थ-बोध के साधन, अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई 4 शैली एवं शैलीविज्ञान की परिभाषाएँ, विषय-क्षेत्र, प्रकार, शैली के संरचनात्मक रूप (चयन, विचलन और समानांतरता), आधुनिक सन्दर्भ में शैलीविज्ञान की उपयोगिता।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *भाषाविज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद।
2. *सामान्य भाषाविज्ञान* – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद।
3. *भाषाविज्ञान की भूमिका* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।
4. *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र* – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. *शैलीविज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली।
6. *शैलीविज्ञान* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
7. *भाषाविज्ञान एवं शैलीविज्ञान* – डॉ॰ शम्भूनाथ द्विवेदी, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली।
8. *शैलीविज्ञान* – डॉ॰ सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. *वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान* – बद्रीनाथ कपूर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN 3036

हिन्दी भाषा एवं नागरी लिपि

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास के साथ-साथ उसकी संरचना एवं नागरी लिपि के बारे में सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य है।*

इकाई 1 प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिन्दी भाषी-क्षेत्र, हिन्दी शब्द के तीन तात्पर्य

इकाई 2 हिन्दी की विभाषाएँ एवं उसकी बोलियाँ, पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर, हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी; हिन्दी की स्वर एवं व्यंजन ध्वनियाँ : स्वरूप और वर्गीकरण

इकाई 3 हिन्दी वाक्य-रचना में ध्यान देने योग्य बातें (शब्दक्रम, अन्विति, लोप और आगम), हिन्दी संज्ञा शब्द (लिंग, वचन और कारक), हिन्दी के सर्वनाम, हिन्दी के विशेषण, हिन्दी की क्रियाएँ

इकाई 4 नागरी लिपि – नागरी नाम, नागरी लिपि का विकास, वैज्ञानिकता, नागरी लिपि के गुण-दोष, नागरी लिपि में सुधार

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी भाषा* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद।
2. *हिन्दी भाषा का इतिहास* – डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
3. *हिन्दी भाषा : संरचना और प्रयोग* – डॉ॰ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
4. *हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप* – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास* – डॉ॰ उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. *हिन्दी व्याकरण* – पं॰ कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. *हिन्दी भाषा का विकास* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि* – लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
9. *हिन्दी व्याकरण-विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
11. *देवनागरी लिपि और हिन्दी : संघर्षों की ऐतिहासिक यात्रा* – रामनिरंजन परिमलेन्दु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN 3045

हिन्दी का निबन्ध साहित्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को अन्यतम सशक्त गद्य-विधा निबन्ध के स्वरूप और हिन्दी निबन्ध की विकास-गाथा की सम्यक् जानकारी देते हुए चुने हुए निबन्धों के माध्यम से इस प्रभावी गद्य-विधा की वैचारिक एवं शिल्पगत विशेषताओं के साथ उन्हें परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 निबन्ध का तात्पर्य, परिभाषा, वर्गीकरण, हिन्दी निबन्ध का उद्भव एवं विकास

इकाई 2 **चिन्तामणि** (भाग – 1) – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडिया प्रेस, इलाहाबाद

निर्धारित पाठ : उत्साह, श्रद्धा-भक्ति, करुणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति

इकाई 3 **अशोक के फूल** – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

निर्धारित पाठ : अशोक के फूल, घर जोड़ने की माया, हमारी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, भारतीय संस्कृति की देन, रवीन्द्रनाथ के राष्ट्रीय गान

इकाई 4 **भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है** (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), **शिवजी की बारात** (विद्यानिवास मिश्र), **उत्तरा फाल्गुनी के आसपास** (कुबेरनाथ राय), **उठ जाग मुसाफिर** (विवेकी राय), **संस्कृति और सौन्दर्य** (नामवर सिंह)

सन्दर्भ ग्रंथ एवं ऑनलाइन लिंक्स :

1. *हिन्दी गद्य-संकलन* – डॉ॰ परेश चन्द्र देव शर्मा एवं डॉ॰ हीरालाल तिवारी (संपा.), असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।

2. *विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्ध* – भोलाभाई पटेल एवं रामकुमार गुप्त (संपा.), जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. *उत्तरा फाल्गुनी के आसपास* (कुबेरनाथ राय) – https://www.hindisamay.com/content/3657/1/%

4. *उठ जाग मुसाफिर* -- विवेकी राय, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *संस्कृति और सौन्दर्य* (नामवर सिंह) -- https://www.hindisamay.com/content/3383/1/%

6. *साहित्यिक निबन्ध* – गोविन्द त्रिगुणायत, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7. *साहित्यिक निबन्ध* – डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

8. *साहित्यिक एवं सांस्कृतिक निबन्ध* – कैलाशनाथ द्विवेदी, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली।

9. *चिन्तामणि विमर्श* – रामकृपाल पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

10. *ललित निबन्ध* – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

11. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिन्तन-जगत* – कृष्णदत्त पालीवाल, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।

12. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का गद्य-साहित्य* – अशोक सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

13. *हजारी प्रसाद द्विवेदी* – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

14. *विद्यानिवास मिश्र का निबन्ध साहित्य : सन्दर्भ और अभिव्यक्ति* – डॉ॰ श्यामसुन्दर पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर।

15. *कुबेरनाथ राय के निबन्धों का आलोचनात्मक अनुशीलन* – डॉ॰ के.एम. मायावंशी, विनय प्रकाशन, कानपुर।

16. *निबंधकर विवेकी राय* – डॉ॰ राजेश भामरे, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।

HIN 3055

प्रयोजनमूलक हिन्दी

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों और हिन्दी-सम्बन्धी विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों की सम्यक् जानकारी देना, साथ ही कार्यालयी सन्दर्भ में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के प्रयोजनात्मक स्वरूप से उन्हें भली-भाँति परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 हिन्दी के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा, संविधान के अनुच्छेद 343--351 में राजभाषा हिन्दी-सम्बन्धी प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, अष्टम अनुसूची में उल्लिखित भाषाएँ, विदेशों में हिन्दी

इकाई 2 आलेखन, टिप्पण, सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, अधिसूचना, अनुस्मारक, परिपत्र, कार्यालय आदेश, ज्ञापन, प्रेस-विज्ञप्ति

इकाई 3 संचार-माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी
हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेज़ी से हिन्दी)

इकाई 4 संक्षेपण-लेखन (हिन्दी गद्यांश)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *राजभाषा हिन्दी* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग* – डॉ॰ दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
5. *राष्ट्रभाषा हिन्दी* – राहुल सांकृत्यायन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* – प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली।
7. *राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम* – मलिक मुहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. *राजभाषा हिन्दी : प्रचलन और प्रचार* – रामेश्वर प्रसाद, हिन्दी बुक्स सेंटर, दिल्ली।
9. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद, दिल्ली।
10. *संचार-माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग* – डॉ॰ नानासाहब गोरे, विनय प्रकाशन, कानपुर।
11. *आधुनिक जनसंचार-माध्यमों में हिन्दी* – डॉ॰ जयप्रकाश पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर।
12. *कम्प्यूटर परिचालन तत्व* – राम बनसल, प्रभात प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली।
13. *नए जन-संचार माध्यम और हिन्दी* – सुधीश पचौरी एवं अचला शर्मा (सं.), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

चतुर्थ छमाही

HIN 4016

आधुनिक काव्य-II (छायावादोत्तर काव्यधाराएँ)

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित छायावादोत्तर काव्यधाराओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक युगबोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य है।*

इकाई 1 **उर्वशी** – रामधारी सिंह 'दिनकर', उदयाचल, पटना

निर्धारित पाठ – तीसरा सर्ग

इकाई 2 **अन्धायुग**– डॉ॰ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

इकाई 3 **अज्ञेय** (यह दीप अकेला, असाध्यवीणा), **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** (भूल-गलती, ब्रह्मराक्षस), **नागार्जुन** (कालिदास, बादल को घिरते देखा है), **भवानीप्रसाद मिश्र** (सतपुड़ा के जंगल, मंगल वर्षा)

इकाई 4 **सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'** (मोचीराम, रोटी और संसद), **लीलाधर जगूड़ी** (अन्तर्देशीय, स्त्री प्रत्यय), **राजेश जोशी** (रैली में स्त्रियाँ, दृश्य और बिम्ब), **अरुण कमल** (धार, यात्रा)

सन्दर्भ ग्रन्थ और ऑनलाइन लिंक्स :

1. *दिशान्तर* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव एवं डॉ॰ विश्वनाथप्रसाद तिवारी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।
2. *एकत्र* – डॉ॰ बच्चन सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. *अस्मिता* – डॉ॰ जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव एवं डॉ॰ जितेन्द्रनाथ पाठक (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. *समकालीन कविता* – डॉ॰ मालती तिवारी (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5. *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* – डॉ॰ रामनारायण शुक्ल एवं डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

6. *आधुनिक काव्य संग्रह* – रामवीर सिंह (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

7. *असाध्यवीणा* (अज्ञेय) – http://kavitakosh.org/asadhyavina

8. *नागार्जुन : चुनी हुई रचनाएँ रचनावली - भाग (2)* -- शोभाकांत मिश्र (संपा॰), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

9. *अपनी केवल धार* – अरुण कमल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. *नई कविता* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11. *आधुनिक हिन्दी कविता में विचार* – डॉ॰ बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

12. *उर्वशी : संवेदना और शिल्प* – टीकाराम शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

13. *उर्वशी : उपलब्धि और सीमा* – वीरेन्द्र नारायण सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

14. *अन्धायुग : एक अनुशीलन* – मोना यादव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

15. *अन्धायुग : रचनाधर्मिता के विविध आयाम* – डॉ॰ माया मलिक, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।

16. *कवि अज्ञेय* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

17. *अज्ञेय : कवि और काव्य* – डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

18. *मुक्तिबोध : कविता और जीवन-विवेक* – चन्द्रकान्त देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

19. *मुक्तिबोध के काव्य में युगचेतना* – डॉ॰ ब्रिजपाल सिंह गहलोत, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

20. *निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ* – नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

21. *नागार्जुन और उनकी कविता* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

22. *नागार्जुन के काव्य में यथार्थ* – डॉ॰ शैलेश पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

23. *भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार* – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

24. *भवानीप्रसाद मिश्र की कविता : रचना-दृष्टि, संवेदना और शिल्प* – डॉ॰ अश्विनी कुमार शुक्ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

25. *धूमिल और उनका काव्य-संघर्ष* – डॉ॰ ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

26. *धूमिल की काव्य-चेतना* – डॉ॰ गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

27. *समकालीन कवि लीलाधर जगूड़ी* – डॉ॰ अंजली चौधरी, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

28. *राजेश जोशी : सृजन के आयाम* – डॉ॰ पण्डित गायकवाड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

29. *राजेश जोशी : स्वप्न और प्रतिरोध* – नीरज (संपा.), स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।

30. *अरुण कमल एवं समकालीन हिन्दी कविता* – डॉ॰ प्राची शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

31. *समकालीन हिन्दी कविता के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर* – डॉ॰ सरजू प्रसाद मिश्र, अमन प्रकाशन, कानपुर।

HIN 4026

हिन्दी आलोचना, प्रमुख आलोचक एवं आधुनिक विमर्श

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु (10x3) प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना के उद्भव एवं विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचकों की आलोचना-दृष्टि तथा उभरते हुए विविध आधुनिक विमर्शों की सम्यक् जानकारी देते हुए उनलोगों की आलोचना-सामर्थ्य को विकसित करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **(क)** हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास एवं हिन्दी समीक्षा के विविध प्रकार

(ख) आधुनिक विमर्श : दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श इत्यादि

इकाई 2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ॰ रामविलास शर्मा और डॉ॰ नामवर सिंह के समीक्षा-सिद्धान्त

इकाई 3 हिन्दी के प्रमुख आलोचक – बाबू श्यामसुन्दर दास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 हिन्दी के प्रमुख आलोचक -- आचार्य नन्ददुलारे वाजपयी, डॉ॰ नगेन्द्र

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी आलोचना : अतीत और वर्तमान* – प्रभाकर माचवे, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
2. *हिन्दी आलोचना : शिखरों के साक्षात्कार* – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. *हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *आलोचना के मान* – शिवदान सिंह चौहान, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *साहित्य और दलित दृष्टि* – मैनेजर पाण्डेय, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ* – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. *दलित साहित्य एवं चिन्तन : समकालीन परिदृश्य* – जयप्रकाश कर्दम, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. *स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य* – डॉ॰ के. एम. मालती, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

9. *स्त्री-विमर्श : विविध पहलू* – कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन* – मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट (अनु॰ मीनाक्षी), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *आदिवासी-स्वर और नयी शताब्दी* – रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. *आदिवासी केन्द्रित हिन्दी साहित्य* – डॉ॰ उषा कीर्ति राणावत, विकास प्रकाशन, कानपुर ।

13. *हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य : अंतरंग पड़ताल* – डॉ॰ धीरज भाई, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।

14. *हिन्दी साहित्य : बाल, युवा, वृद्ध तथा अन्य विमर्श* – डॉ॰ नीता दौलतकर, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

15. *21वीं सदी के साहित्यिक विमर्श* -- डॉ॰ नीता दौलतकर, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

16. *हिन्दी आलोचना के आधार-स्तम्भ* – रामेश्वर खंडेलवाल एवं सुरेशचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

17. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

18. *हिन्दी समीक्षा और आचार्य शुक्ल* – डॉ॰ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

19. *मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

20. *डॉ॰ रामविलास शर्मा की साहित्यिक आलोचना* – डॉ॰ मंजुनाथ के., अमन प्रकाशन, कानपुर ।

21. *हिन्दी साहित्य में बाबू श्यामसुन्दर दास का अवदान* – डॉ॰ सुनील कुमार यादव, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

22. *सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी* – प्रो॰ रामकिशोर शर्मा (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

23. *समीक्षक आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी* – डॉ॰ त्रिभुवन नाथ शुक्ल (संपा.), अमन प्रकाशन, कानपुर ।

24. *डॉ॰ नगेन्द्र : अभिनन्दन ग्रंथ* – सुमित्रानन्दन पंत (संपा.), आर्य बुक डिपो, दिल्ली ।

25. *आलोचक और आलोचना* – डॉ॰ बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

HIN 4036

हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी और यात्रा-वृत्त-सम्बन्धी चुनी हुई रचनाओं के सम्यक् अध्ययन के माध्यम से हिन्दी की इन प्रभावी गद्य-विधाओं की शिल्पगत विशेषताओं एवं इनमें उभरते जीवन-बोध से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 *हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र* – डॉ॰ चौथीराम यादव (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

निर्धारित पाठ -- **अंधी चमारिन** (बनारसीदास चतुर्वेदी), **बैलगाड़ी** (कृष्णदेव प्रसाद गौड़), **बैसवाड़े में निराला** (डॉ॰ रामविलास शर्मा), **आदमी का बच्चा** (हरिशंकर परसाई)

इकाई 2 *संस्मरण और रेखाचित्र* -- डॉ॰ उर्मिला मोदी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी

निर्धारित पाठ – **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल** (राय कृष्ण दास), **महाकवि जयशंकर प्रसाद** (शिवपूजन सहाय), **राजेन्द्र बाबू** (रामधारी सिंह 'दिनकर'), **शरत : एक याद** (अमृतलाल नागर)

इकाई 3 **प्रेमचन्द : घर में** – शिवरानी देवी, नयी किताब प्रकाशन, नयी दिल्ली।

इकाई 4 **अरे यायावर रहेगा याद** – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ* – डॉ॰ उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. *रेखाएँ और रेखाएँ* – सुधाकर पाण्डेय एवं डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।
3. *गद्य की नयी विधाओं का विकास* – मज़दा असाद, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *संस्मरण साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास* – डॉ॰ बापूराव देसाई, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
5. *अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन* – डॉ॰ केदार शर्मा, अनुपम प्रकाशन, जयपुर।

HIN 4045

तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ तुलनात्मक दृष्टिकोण से भारतीय साहित्य के एक अभिन्न अंग असमीया साहित्य के वैष्णव युग (इतिहास, नाटक, बरगीत के जरिए) और आधुनिक युग (कविताओं के जरिए) की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं का साक्षात्कार कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 वैष्णव-युग का सामान्य परिचय, शंकरदेव और माधवदेव का विशेष परिचय

इकाई 2 **रुक्मिणीहरण नाट** – शंकरदेव, न्यू बुक स्टॉल, गुवाहाटी

इकाई 3 *असमीया साहित्य निकष* – गुवाहाटी विश्वविद्यालय पब्लिकेशन

निर्धारित पाठ : **माधवदेव के बरगीत** – गोविन्द दुध पिउ दुध पिउ बोलेरे यशोवा, तेजरे कमलापति परभाते निन्द, आजु हामु बड़ही भुखारी, नजायो नजायो तुमि गोवालीर पारा, माइ माइ भूषण हरालों हामारि

इकाई 4 *असमीया साहित्य निकष* – गुवाहाटी विश्वविद्यालय पब्लिकेशन

निर्धारित पाठ : **रघुनाथ चौधारी की कविताएँ** – भिक्षा, बहागीर बिया, गोवाहे एबार मोर प्रिय बिहंगिनी

निर्धारित पाठ : **नलिनीबाला देवी की कविताएँ** – परम तृष्णा, जनमभूमि

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *असमीया साहित्यर समीक्षात्मक इतिबृत्त* – डॉ॰ सत्येन्द्रनाथ शर्मा, सौमार प्रिंटिंग एण्ड पब्लिशिंग कोंपानी, गुवाहाटी।

2. *नतुन पोहरत असमीया साहित्यर बुरंजी* – डिंबेश्वर नेओग, शुवनि प्रकाश, गुवाहाटी ।

3. *श्री श्री शंकरदेव* – महेश्वर नेओग, लयार्स बुक स्टॉल, गुवाहाटी ।

4. *शंकरदेव : व्यक्तित्व और कृतित्व* – डॉ॰ भूपेन्द्र रॉयचौधरी, श्रीमन्त शंकरदेव संघ ।

5. *महापुरुष श्री श्री माधवदेव* -- डॉ॰ भूपेन्द्र रॉयचौधरी (संपा.), बरपेटा सत्र ।

6. *प्राचीन भाषा-नाटक* – जगदीशचन्द्र माथुर और डॉ॰ दशरथ ओझा (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

7. *सामाजिक पृष्ठभूमि-सहित असम के बरगीत* – बापचन्द्र महन्त, स्वर्गीय कमल कुमारी बरुवा ट्रस्ट फंड, जोरहाट ।

HIN 4055

हिन्दी कृष्ण काव्य

अंकों का विभाजन

कुल अंक : 80

आन्तरिक परीक्षण : 16

बाह्य परीक्षण : 64

क्रेडिट : 5 (व्याख्यान : 3 + ट्यूटोरियल : 2)

द्रष्टव्य : *प्रस्तुत प्रश्न-पत्र में लघुतम (1x10), लघुतर (2x7), लघु (5x2) एवं गुरु {10x3 (एक व्याख्या और दो समीक्षात्मक विवेचन)} प्रश्न शामिल होंगे ।*

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को मध्यकाल से आधुनिक काल तक परिव्याप्त हिन्दी कृष्ण-काव्य-धारा की चुनी हुई रचनाओं के माध्यम से श्रीकृष्ण से जुड़ी भक्तिपरक एवं आधुनिक चेतनाओं तथा काव्य-शिल्पगत विशेषताओं के साथ सम्यक् रूप से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **सूरसागर सार** – डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा (संपा.), साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

निर्धारित पाठ – *उद्धव-सन्देश* : पद-संख्या – 37-66

इकाई 2 **मीराँबाई की पदावली** – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (संपा.), हिन्दी साहित्य सदन, प्रयाग

पद-संख्या : 1-30

इकाई 3 **प्रियप्रवास** – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिन्दी साहित्य कुटीर, वाराणसी

निर्धारित पाठ : प्रथम सर्ग

इकाई 4 **कनुप्रिया –** डॉ॰ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली

निर्धारित पाठ – इतिहास खण्ड एवं समापन

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *सूर-साहित्य* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. *सूर और उनका साहित्य* – हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
3. *सूर की काव्य कला* – डॉ॰ मनमोहन गौतम, रीगल बुक डिपो, दिल्ली।
4. *मीरा का काव्य* – विश्वनाथ त्रिपाठी, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली।
5. *मीरा और मीरा* – महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *भक्त मीराँबाई (भक्तिकालीन परिप्रेक्ष्य में)* – डॉ॰ भगवती उपाध्याय, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
7. *'प्रिय प्रवास' : एक अनुशीलन* – डॉ॰ उषा बनसोडे, विनय प्रकाशन, कानपुर।
8. *हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता* – डॉ॰ मंजु तरडेजा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
9. *धर्मवीर भारती : कनुप्रिया तथा अन्य कृतियाँ* – ब्रजमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. *कनुप्रिया : नव मूल्यांकन* – नीलम गुप्ता, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
11. *कनुप्रिया : एक नाट्य एकालाप* – जितेन्द्र सेठी, नालन्दा प्रकाशन, दिल्ली।
12. *मध्ययुगीन हिन्दी काव्य में कृष्ण-चेतना* – डॉ॰ मनोज मोहन शास्त्री, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।